राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचारों की चमक 14 स्टार्टअप को जारी हुई इग्निशन ग्रांट

30 फीसदी महिला नेतृत्व वाले उद्यम, पिचिंग प्रतियोगिता में 20 टीमों ने पेश किए आइडिया

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और उभरती तकनीकों से जुड़े नवाचारों को मंच मिला।

कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से उत्तिष्ठति फाउंडेशन के माध्यम से किया गया, जिसे भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने किया।

उद्घाटन सत्र में डीएसटी-आईटीबीआई कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान की गई। इनमें करीब 30 प्रतिशत उद्यम महिला नेतृत्व में संचालित हो रहे हैं। सम्मेलन के दौरान स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 20 टीमों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यवहार्यता, समस्या समाधान, स्पष्ट दृष्टिकोण और नवाचार के आधार पर किया गया। सत्र की अध्यक्षता एनआईटी हमीरपुर की डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) एवं रजिस्ट्रार डॉ. अर्चना नानोटी ने की। इंक्यूबेशन सेंटर की प्रभारी डॉ. पामिता अवस्थी ने बताया कि सम्मेलन के विषय आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप तय किए गए हैं।

सम्मेलन में कृषि प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष व रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े स्टार्टअप विचारों पर चर्चा हुई। इस मौके पर सीएसआईआर-सीएसआईओ चंडीगढ़ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र सिंह सैनी, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ की सहायक प्रोफेसर डॉ. गरिमा सैनी, एनआईटी हमीरपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश शर्मा और भारत फ्लो एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं सह-संस्थापक प्रणव नारायण झा सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्टार्टअप सम्मेलन में इग्निशन ग्रांट प्राप्त करने वाले प्रतिभागी एनआईटी हमीरपुर के निदेशक रजिस्ट्रार एवं आयोजकों के साथ। स्रोत : संस्थान

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में ये बने विजेता

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन नवाचारों को पुरस्कार देकर निशुल्क इंक्यूबेशन के लिए चुना गया। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां के प्रकृति वीयर प्रोजेक्ट और एनआईटी हमीरपुर के लीफलेस प्रोजेक्ट को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। बुखारी प्रोजेक्ट को द्वितीय और एनआईटी हमीरपुर की जेनिथ टीम को तृतीय पुरस्कार दिया गया। विजेताओं को क्रमशः 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 आयोजित

अमर उजाला | हमीरपुर | amarujala.com

पोर्टेबल बुखारी में ओवन के साथ स्टीमर-गीजर की भी सुविधा

लकड़ी की खपत भी 40 फीसदी तक होगी कम, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दो व्यक्तियों ने तैयार किया अनूठा नवाचार

कमलेश रतन भारद्वाज

एक्सक्लूसिव

हमीरपुर। पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा के बेहतर उपयोग की दिशा में एक अनूठा नवाचार सामने आया है। जिले के बान्हवी निवासी दो व्यक्तियों ने पारंपरिक बुखारी (तंदूर) को आधुनिक तकनीक के साथ ईको फ्रेंडली हाइटेक बुखारी में बदल दिया है।

इस पोर्टेबल बुखारी में ओवन, स्टीमर और गीजर जैसी कई सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं, जबकि इसकी सबसे बड़ी खासियत लकड़ी की खपत को करीब 40 फीसदी तक कम करना है।

तीन फुट ऊंचाई वाली इस बुखारी में 20 लीटर पानी के भंडारण की सुविधा है और गर्म पानी

एनआईटी के इंक्यूबेशन सेंटर से मिला समर्थन, स्टार्टअप समिट में पाया दूसरा स्थान

निकालने के लिए नल भी लगाया गया है। इसके साथ ही स्टीमर का इनबिल्ट सेटअप भी दिया गया है। बुखारी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए इसमें चार पहिए लगाए गए हैं, जिससे यह पूरी तरह पोर्टेबल बन गई है।

हमीरपुर जिले के बाहन्वी निवासी विज्ञान स्नातक एवं सरकारी कर्मी रोहित शर्मा और जमा दो पास उद्यमी अश्वनी शर्मा ने इस हाइटेक बुखारी का प्रोटोटाइप तैयार किया है।

दोनों ने अपने इस नवाचार को एनआईटी हमीरपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 में प्रस्तुत किया। सम्मेलन में

बुखारी के प्रोटोटाइप को पेश करते रोहित और अश्वनी इंक्यूबेशन सेंटर प्रभारी डॉ. पमिता के साथ। संवाद

इस प्रोटोटाइप को इंक्यूबेशन के लिए चयनित किया गया और प्रतियोगिता में इसे दूसरा स्थान मिला। इसके लिए दोनों उद्यमियों को तीस हजार रुपये पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

इस हाइटेक बुखारी में लकड़ी की खपत कम करने, अधिक गर्माहट देने और कई उपयोगी सुविधाएं जोड़ने का प्रयास किया गया है। रोहित शर्मा के अनुसार ठंडे क्षेत्रों में जहां तंदूर का सालभर उपयोग होता है, वहां करीब 2700 किलो लकड़ी की खपत होती है।

इस हाइटेक बुखारी के प्रयोग से यह खपत लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है और इसकी गर्माहट भी अधिक होगी। संवाद

एक बार जलाने पर कई घंटे तक गर्म रहेगा कमरा

इस हाइटेक बुखारी में पानी गर्म करने, खाना बनाने और कमरे को गर्म रखने की सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं। एक बार खाना बनाने के बाद यह कमरे को सात से आठ घंटे तक गर्म रख सकती है।

टर्किश बुखारी को देगी टक्कर

मौजूदा समय में बाजार में उपलब्ध टर्किश बुखारी कुछ समान सुविधाएं देती है, लेकिन उसमें पानी के भंडारण और इनबिल्ट स्टीमर जैसी सुविधा नहीं है। टर्किश बुखारी की कीमत करीब एक लाख रुपये तक होती है, जबकि इस हाइटेक बुखारी की कीमत लगभग 40 हजार रुपये रखी गई है। महज दो किलोग्राम लकड़ी से इसे करीब दस मिनट में गर्म किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए यह नवाचार तैयार किया गया है। इंक्यूबेशन सेंटर में इसे निशुल्क इंक्यूबेशन की सुविधा दी जाएगी और प्रोटोटाइप को विकसित करने के साथ पेटेंट दाखिल करने में भी उद्यमियों की सहायता की जाएगी।

-डॉ. पमिता अवस्थी, प्रभारी इंक्यूबेशन सेंटर, एनआईटी हमीरपुर

...ते भोटी गांव के लोग।

(रवि)

सदस्य ...ई में ...ा और ...ाए जाने की मांग की।

ग्रामीणों वार्ड सदस्य ध्यान सिंह, रणजीत सिंह, कमल कुमार, राज कुमार, कर्ण कुमार, दलजीत सिंह, रत्न चन्द, अभिषेक कुमार, विनोद कुमार, राजेंद्र सिंह, बलबीर सिंह, सोमा देवी, सिमरो देवी, व्यासा देवी, शशी कलां, सुनना देवी, बीना

... तोड़ दिया गया है, जिसका फिर से निर्माण किया जाए।

इस बारे में एस.डी.एम. भोरंज शशी पाल शर्मा का कहना है कि तोड़े गए श्मशानघाट के पुनर्निर्माण के लिए ग्रामीण उनके पास आए थे। तहसीलदार भोरंज को इस बारे में कहा गया है और लोगों के सुझाव के अनुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगीं।

... नैशनल काउंसिल ... मैनेजमैंट एंड कैटी... नोएडा और जवा... यूनिवर्सिटी द्वारा सं... जाती है। उन्होंने बता... में वर्ष 2026-27 ... प्रक्रिया चल रही है ... के पास पर्यटन औ... में करियर बनाने ... मौका है।

... के साथ (राजीव)

एन.आई.टी. में 14 स्टार्टअप को मिली इग्निशन ग्रांट

राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन 2026 का किया आयोजन

हमीरपुर, 9 मार्च (राजीव) : एन.आई.टी. हमीरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन उत्तिष्ठति फाऊंडेशन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एन.आई.टी. हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच.एम. सूर्यवंशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उन्होंने कहा कि इनक्यूबेशन सैंटर का प्राथमिक उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

डा. पामिता अवस्थी ने इस बात पर जोर दिया कि इस कार्यक्रम के विषयगत क्षेत्र आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन कृषि-तकनीक, अंतरिक्ष एवं रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने इस क्षेत्र की महिला उद्यमियों को स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

हमीरपुर : स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता के विजेता छात्र एन.आई.टी. हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच.एम. सूर्यवंशी व अन्य सदस्यों के साथ सामूहिक चित्र में। (राजीव)

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में 50 प्रतिभागियों ने लिया भाग

इस अवसर पर पिच एक्स नामक एक स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें 20 टीमों के 50 प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस प्रतियोगिता में सबसे नवीन, प्रभावशाली और विस्तार योग्य स्टार्टअप विचारों को सम्मानित किया गया।

बता दें कि इस सत्र की अध्यक्षता एन.आई.टी. हमीरपुर के डीन और रजिस्ट्रार अर्चना संतोष ननोटी ने की। इसमें देशभर से आमंत्रित विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भी भाग लिया। इस दौरान संस्थान के इनक्यूबेशन सैंटर के माध्यम से डी.एस.टी.-आई.टी.बी.आई. कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान की।

इस पिंचएक्स प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें डा. सुरेंद्र सिंह सैनी मुख्य वैज्ञानिक सी.एस.आई.आर.-सी.एस.आई.ओ.ए, चंडीगढ़, डा. गरिमा सैनी सहायक प्रोफैसर एन.आई.टी.टी.टी.आर. चंडीगढ़, डा. पमिता अवस्थी प्रधान अन्वेषक संस्थापक निदेशक उत्तिष्ठति फाऊंडेशन, डा. राकेश शर्मा सहायक प्रोफैसर इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग एन.आई.टी. हमीरपुर व प्रणव नारायण झा निदेशक एवं सह संस्थापक भारत फ्लो एनालिटिक्स शामिल रहे।

...अप

के लिए ... से उन्हें ...शि और ... गया। ...ब्धि के ...जीनियर ...दमिक ...र्मा, उप ...मार व ... मारवाह ...कामनाएं ...विष्य की

...द्यालय नादौन में वार्षिक समारोह 12 को, मुख्यमंत्री होंगे मुख्यातिथि

...कार्यक्रम ...क्षण

नादौन : वार्षिक समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत एस.डी.एम. निशांत शर्मा कालेज प्रशासन के साथ सामूहिक चित्र में। (जैन)

... सिद्धार्थ ...य नादौन ...ोने वाले ... समारोह ... हैं। ... ठाकुर ...तिथि के

खेलकूद, सांस्कृतिक तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट ... बनाने के लिए महाविद्यालय परिसर में तैयारियां ...

परिसर का दौरा कर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान किसी ...

विद्युत ...

कहा : बिज... वसूली भी कि... उपभोक्ताओं ...

हमीरपुर, 9 मार्च ... गांव धिरवीं में प्र... 2025 व स्मार्ट मीट... बिजली उपभोक्ताओं... जिसमें धिरवीं, गौ... ग्रामीणों ने भाग लि... सभी ने स्मार्ट मीटर ... हुए सरकार से स्मार्ट ... को बंद करने की ...

इस अवसर प... फोरम के प्रदेश व...

बेटिय...

बेटी बचाओ... मुख्यमंत्री ... की समीक्ष...

बड़सर, 9 म... बड़सर स्वाति ... बचाओ-बेटी पढ़ाओ ... समिति और 'मुख्यम... की बैठक हुई। ... पढ़ाओ वर्ष 2025-... कार्ययोजना की स...

एस.डी.एम. ने ... महत्वपूर्ण संपत्ति ... सशक्तिकरण के लि... लड़कियों को सम्म... शिक्षा, खेल, विज्ञा... उपलब्धि हासिल की ... की 159 मेधावी छा... विकास विभाग द्वारा ...

उन्होंने गिरते लि...

महिला की ...

किया गया। प्रतियोगिता में राजकीय कॉलेज हमीरपुर की टीम विजेता रही, जबकि गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज की टीम उपविजेता रही। खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक उर्मिल ठाकुर विशिष्ट अतिथि दिव्या शर्मा, आशीष सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए खेलों में निरंतर भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने का संदेश दिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि वाटिका सूद ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

एनआईटी में राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का किया आयोजन

हमीरपुर | एनआईटी में राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। डीएसटी-आई-टीबीआई कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को ग्रांट प्रदान किए गए। स्टार्टअप में उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाले उद्यम हैं, जो स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, कृषि-तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

अवहेलना पर होगी कार्रवाई

एक्स्ट्रा बॉडी

...सों का खतरा

एसडीएम

भास्कर न्यू...

कांगू क्षेत्र के... परिवार बिन... के रह रहा... देवी की ... सामने भी ... गया था। इ... और जल श... घर तक ... कनेक्शन ... लिए पाइप... पहुंचा दिए... इसलिए गंभ... कुछ लोग... पाइपलाइन ... एनओसी ... एसडीएम न... सोमवार क... लोगों से ... उन्होंने ग्रामी...

गिंडपुर म...

चिंतपूर्णी | चिंतपूर्णी... अंतर्गत गिंडपुर ... पशुओं का आतंक... कि स्थानीय किसा... उड़ गई है। ये ... आकर लहलहाती ... चट कर जा रहे हैं,...

एनआईटी के इंक्यूबेशन सेंटर से मिला समर्थन, स्टार्टअप समिट में पाया दूसरा स्थान

एक्सक्लूसिव

निकालने के लिए नल भी लगाया गया है। इसके साथ ही स्टीमर का इनबिल्ट सेटअप भी दिया गया है। बुखारी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए इसमें चार पहिए लगाए गए हैं, जिससे यह पूरी तरह पोर्टेबल बन गई है।

हमीरपुर जिले के बाहन्वी निवासी विज्ञान स्नातक एवं सरकारी कर्मी रोहित शर्मा और जमा दो पास उद्यमी अश्वनी शर्मा ने इस हाइटेक बुखारी का प्रोटोटाइप तैयार किया है।

दोनों ने अपने इस नवाचार को एनआईटी हमीरपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 में प्रस्तुत किया। सम्मेलन में

बुखारी के प्रोटोटाइप को पेश करते रोहित और अश्वनी इंक्यूबेशन सेंटर प्रभारी डॉ. पमिता के साथ। संवाद

इस प्रोटोटाइप को इंक्यूबेशन के लिए चयनित किया गया और प्रतियोगिता में इसे दूसरा स्थान मिला। इसके लिए दोनों उद्यमियों को तीस हजार रुपये पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

इस हाइटेक बुखारी में लकड़ी की खपत कम करने, अधिक गर्माहट देने और कई उपयोगी सुविधाएं जोड़ने का प्रयास किया गया है। रोहित शर्मा के अनुसार ठंडे क्षेत्रों में जहां तंदूर का सालभर उपयोग होता है, वहां करीब 2700 किलो लकड़ी की खपत होती है।

इस हाइटेक बुखारी के प्रयोग से यह खपत लगभग 40 प्रतिशत तक कम हो सकती है और इसकी गर्माहट भी अधिक होगी। संवाद

एक बार जलाने पर कई घंटे तक गर्म रहेगा कमरा

इस हाइटेक बुखारी में पानी गर्म करने, खाना बनाने और कमरे को गर्म रखने की सुविधाएं एक साथ उपलब्ध हैं। एक बार खाना बनाने के बाद यह कमरे को सात से आठ घंटे तक गर्म रख सकती है।

टर्किश बुखारी को देगी टक्कर

मौजूदा समय में बाजार में उपलब्ध टर्किश बुखारी कुछ समान सुविधाएं देती है, लेकिन उसमें पानी के भंडारण और इनबिल्ट स्टीमर जैसी सुविधा नहीं है। टर्किश बुखारी की कीमत करीब एक लाख रुपये तक होती है, जबकि इस हाइटेक बुखारी की कीमत लगभग 40 हजार रुपये रखी गई है। महज दो किलोग्राम लकड़ी से इसे करीब दस मिनट में गर्म किया जा सकता है।

पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए यह नवाचार तैयार किया गया है। इंक्यूबेशन सेंटर में इसे निशुल्क इंक्यूबेशन की सुविधा दी जाएगी और प्रोटोटाइप को विकसित करने के साथ पेटेंट दाखिल करने में भी उद्यमियों की सहायता की जाएगी।

-डॉ. पमिता अवस्थी, प्रभारी इंक्यूबेशन सेंटर, एनआईटी हमीरपुर

राष्ट्रीय सम्मेलन में नवाचारों की चमक 14 स्टार्टअप को जारी हुई इग्निशन ग्रांट

30 फीसदी महिला नेतृत्व वाले उद्यम, पिचिंग प्रतियोगिता में 20 टीमों ने पेश किए आइडिया

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, सौर ऊर्जा और उभरती तकनीकों से जुड़े नवाचारों को मंच मिला।

कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के इंक्यूबेशन सेंटर की ओर से उत्तिष्ठति फाउंडेशन के माध्यम से किया गया, जिसे भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी ने किया।

उद्घाटन सत्र में डीएसटी-आईटीबीआई कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान की गई। इनमें करीब 30 प्रतिशत उद्यम महिला नेतृत्व में संचालित हो रहे हैं। सम्मेलन के दौरान स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें 20 टीमों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन व्यवहार्यता, समस्या समाधान, स्पष्ट दृष्टिकोण और नवाचार के आधार पर किया गया। सत्र की अध्यक्षता एनआईटी हमीरपुर की डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) एवं रजिस्ट्रार डॉ. अर्चना नानोटी ने की। इंक्यूबेशन सेंटर की प्रभारी डॉ. पामिता अवस्थी ने बताया कि सम्मेलन के विषय आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप तय किए गए हैं।

सम्मेलन में कृषि प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष व रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े स्टार्टअप विचारों पर चर्चा हुई। इस मौके पर सीएसआईआर-सीएसआईओ चंडीगढ़ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुरेंद्र सिंह सैनी, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ की सहायक प्रोफेसर डॉ. गरिमा सैनी, एनआईटी हमीरपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ. राकेश शर्मा और भारत फ्लो एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं सह-संस्थापक प्रणब नारायण झा सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्टार्टअप सम्मेलन में इग्निशन ग्रांट प्राप्त करने वाले प्रतिभागी एनआईटी हमीरपुर के निदेशक रजिस्ट्रार एवं आयोजकों के साथ। स्रोत : संस्थान

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में ये बने विजेता

स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तीन नवाचारों को पुरस्कार देकर निशुल्क इंक्यूबेशन के लिए चुना गया। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज नगरोटा बगवां के प्रकृति वीयर प्रोजेक्ट और एनआईटी हमीरपुर के लीफलेंस प्रोजेक्ट को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला। बुखारी प्रोजेक्ट को द्वितीय और एनआईटी हमीरपुर की जेनिथ टीम को तृतीय पुरस्कार दिया गया। विजेताओं को क्रमशः 51 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में स्टार्टअप शिखर सम्मेलन-2026 आयोजित

चोलथरा में ट्रक की चपेट में आने से महिला घायल

मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में उपचाराधीन, प्राथमिकी दर्ज

संवाद न्यूज एजेंसी

अवाहदेवी(हमीरपुर)। कस्बा चोलथरा में सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में एक महिला ट्रक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, घायल महिला फिसल गया और उसकी टांग ट्रक के पिछले टायर के नीचे आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

सिर पर पत्थर लगने से सुपरवाइजर चोटिल

हमीरपुर। उपमंडल हमीरपुर के तहत बड़ू में पुल निर्माण के दौरान पत्थर लगने से लोक निर्माण विभाग का कर्मी चोटिल हो गया। कर्मी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हमीरपुर लाया गया। यहां पर उसका इलाज किया गया।

फिलहाल व्यक्ति का स्वास्थ्य ठीक है। घायल की पहचान सोहन लाल के रूप में हुई है। घायल

स्मार्ट मीटर से छिने

धिरवीं गांव में बिजली बोर्ड पें

संवाद न्यूज एजेंसी

भोरंज (हमीरपुर)। बिजली बोर्ड पेंशनर फोरम भोरंज इकाई की बैठक तहसील भोरंज के धिरवीं गांव में हुई। बैठक में धिरवीं, गौटा, रौहीं के गांववासियों ने भाग लिया। बैठक में स्मार्ट बिजली मीटर का

सेवानिवृत्त हैं और वह भी ग्रेनेडियर यूनिट में ही तैनात थे। सुभांशु की प्रारंभिक शिक्षा मदर प्राइड स्कूल मलोटी बड़ा और आर्मी पब्लिक स्कूल अलवर में हुई। उन्होंने नवोदय विद्यालय तरक्कवाड़ी भोरंज से 12वीं तक शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने डिग्री कालेज हमीरपुर से बीएससी तथा पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से एमए की पढ़ाई की।

को बैठाया है तथा सड़कों व नालियों पर अतिक्रमण किया है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई होने की तैयारी है।

हमीरपुर के गांधी चौक से लेकर अस्पताल चौक के बीचोंबीच वाली सड़क अतिक्रमण के कारण सिकुड़ रही है। इससे पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

गांधी चौक से अस्पताल चौक के बीच सड़क पर दुकानदारों ने सजाया सामान • जागरण

हैं। सड़क पर सब्जी व जूतों की दुकानें सजाई गई हैं।

नगर निगम की ओर से आदेश जारी किए गए हैं कि शहर में अतिक्रमण को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमीरपुर शहर को सुंदर बनाने के लिए नगर निगम की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क पर अतिक्रमण सहन नहीं किया जाएगा।

राकेश शर्मा, आयुक्त, नगर निगम।

डाक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद बताया कि सभी को हल्की चोटें आई हैं और वे खतरे से बाहर हैं।

घायलों में जनक राज पुत्र बलवीर सिंह निवासी गुरदासपुर यमुनानगर, शिल्पा पत्नी जनक राज, सोमनाथ पुत्र इंद्र पाल, रजत पुत्र जनक राज तथा हरदेव सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह निवासी रोपड़ शामिल हैं।

एनआइटी हमीरपुर में 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन का आयोजन एनआइटी हमीरपुर में उत्तिष्ठति फाउंडेशन द्वारा किया गया। उत्तिष्ठति फाउंडेशन एनआइटी हमीरपुर की सेक्शन-8 कंपनी और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित आइ-टीबीआइ इनक्यूबेटर है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एनआइटी हमीरपुर के निदेशक प्रो. एच एम सूर्यवंशी ने किया। उद्घाटन सत्र के दौरान संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से डीएसटी-आइ-टीबीआइ कार्यक्रम के तहत 14 स्टार्टअप परियोजनाओं को इग्निशन ग्रांट प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय स्टार्टअप शिखर सम्मेलन मे उपस्थित गणयमान्य • जागरण

ये स्टार्टअप उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाले उद्यम हैं जो स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, कृषि तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस सत्र की अध्यक्षता एनआइटी हमीरपुर के डीन (अनुसंधान एवं परामर्श) और रजिस्ट्रार ने की। देशभर से आमंत्रित विशेषज्ञों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भी इस सत्र में भाग लिया। डा. पामिता अवस्थी ने शिखर सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के विषयगत क्षेत्र आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। शिखर सम्मेलन कृषि तकनीक, अंतरिक्ष एवं रक्षा नवाचार, गहन तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों पर केंद्रित है। उन्होंने इस क्षेत्र की महिला उद्यमियों को स्वतंत्र उद्यम स्थापित करने के लिए अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रोफेसर एच एम सूर्यवंशी ने कहा कि इनक्यूबेशन सेंटर का प्राथमिक उद्देश्य स्वरोजगार को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना और युवा उद्यमियों के बीच नवाचार को प्रोत्साहित करना है। पिछले एक दशक से एनआइटी हमीरपुर शिक्षाविदों, उद्योग, निवेशकों और अन्य हितधारकों के सहयोग से परिसर में एक जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए काम कर रहा है। शिखर सम्मेलन में पिचएक्स नामक एक स्टार्टअप पिचिंग प्रतियोगिता भी शामिल थी जिसमें 20 टीमों के 50 प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ पिच पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस प्रतियोगिता में सबसे नवीन, प्रभावशाली और विस्तार योग्य स्टार्टअप विचारों को सम्मानित किया गया। टीमों का मूल्यांकन व्यवहार्यता, समस्या-समाधान की उपयुक्तता, स्पष्ट दृष्टिकोण और नवीनता के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया जिसमें डा. सुरेन्द्र सिंह सैनी मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआइआर-सीएसआइओ, चंडीगढ़, डा. गरिमा सैनी सहायक प्रोफेसर, एनआइटीटीटीआर चंडीगढ़, डा. पमिता अवस्थी प्रधान अन्वेषक, संस्थापक निदेशक उत्तिष्ठति फाउंडेशन एनआइटी हमीरपुर, डा. राकेश शर्मा सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग एनआइटी हमीरपुर तथा प्रणब नारायण झा निदेशक एवं सहसंस्थापक, भारत फ्लो एनालिटिक्स शामिल थे।

14 startup projects awarded ignition grants during summit at NIT-Hamirpur

OUR CORRESPONDENT

HAMIRPUR, MARCH 10

The Uttishthati Foundation organised the National Startup Summit-2026 at the National Institute of Technology (NIT) here on Monday with an i-TBI incubator supported by the Department of Science and Technology of the Central Government.

Prof HM Suryavanshi, Director of NIT, said that 14 startup projects were awarded ignition grants under the DST-iTBI programme through the institute's incubation centre. He added that these startups were at different stages of development, with nearly 30 per cent being women-led ventures. He said the NIT Incubator was focusing on key areas such as sustainability, climate change, agri-tech and emerging technologies.

Participants with Prof HM Suryavanshi during the National Startup Summit-2026 at NIT-Hamirpur.

Suryavanshi said that the primary aim of the incubation centre was to promote self-employment, generate employment opportunities and encourage innovation among young entrepreneurs. He added that over the past decade, NIT was actively working to develop a vibrant startup ecosystem on campus through collaboration among academia, industry, investors and other stakeholders.

Convenor Dr Pamita Awasthi said that the thematic areas of the event were aligned with national priorities such as self-sustainability and the Make in India initiative. She noted that the summit focused on sectors, including agri-tech, space and defence innovation, deep-tech, emerging technologies and encouraged greater participation of women entrepreneurs from the region to establish independent enterprises.

The summit also featured PitchX, a startup pitching competition in which 50 participants forming 20 teams competed for the Best Pitch Awards. The PitchX competition was judged by a panel of experts comprising Dr Surender Singh Saini, chief scientist CSIR-CSIO Chandigarh, Dr Garima Saini, assistant professor NITTTR, Chandigarh, Dr Pamita Awasthi, founder director of Uttishthati Foundation, Dr Rakesh Sharma, assistant professor at Department of Electronics and Communication, NIT, and Pranab Narayan Jha, director and co-founder of Bharat Flow Analytics Pvt Ltd.